eines Schauspielers MBH. 12,10795. Kull. zu M. 4,215.

रङ्गावतार्क (रङ्ग + য়°) m. Schauspieler H. 328. M. 4, 215.

रङ्गावतारित् m. dass. Garadh. im ÇKDR. Jaen. 1,161. 2,70.

रिङ्गिन् (von रङ्ग) 1) adj. a) hängend —, Genuss findend an : तुरंगगति॰ ÇATR. 1,165. — b) die Bühne betretend : नटपोरिच रङ्गिणी: Видс. Р. 10, 72, 35. — 2) f. ॰णी Asparagus racemosus Willd. ĞATÂDH. im ÇKDR. = कैचर्तिका Râéan. ebend.

रिक्रेश (रिक्र + ईश) m. N. pr. eines Fürsten Verz.d. Oxf. H. 130, a, No. 233. रिक्रेश (रिक्र + ई°) f. wohl N. pr. oder Bein. der Gamahlin Rañgeça's ebeud.

रङ्गेष्ठालुक n. eine Art Zwiebel Taik. 2,4,34 (रङ्गेष्ठा gedr.). im Index रङ्गेष्ठालुक, रङ्गेष्ठालुक.

रङ्गाजि m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 177, a, No. 402. रङ्गा-जीभट्ट Hall 78. fg. fälschlich रङ्गार्जिभट्ट Verz. d. B. H. No. 764.

रिङ्गापर्जाविन् (रिङ्ग + 3°) m. Schauspieler R. Gorn. 2,90,15. Verz. d. Oxf. H. 120, b, s.

रङ्गापनीच्य (रङ्ग + 3°) m. dass. VARAH. BRH. S. 9, 43.

रङ्ग रँङ्घते (गती) Duatur. 4,33. act. eilen, rennen: द्वारं ररङ्कतुर्याम्यम् Buatt. 14,15. auf diese Wurzel spielt Kalidasa an in der Stelle: (दि-लीपः) स्रवेह्य धातार्गमनार्थमर्थ विश्वकार नामा रघुमात्मसंभवम् Ragu. 3, 21. Vgl. रंक्. — caus. रङ्कैयति sprechen oder leuchten Duatur. 33,120. रङ्कनाथ s. u. रङ्कनाथ 2).

रङ्गम् n. = रिल्म् Eile Bhan. im Dvirûpak. ÇKDr. Sûrjaç. 71 in Habb. Anth. 211, wo रङ्ग: st. रिल्: zu lesen ist; vgl. Uśśval. zu Unadis. 4,213.

रच् verfertigen: रचिष्पति (कारिष्पति die neuere Ausg.) HARIV. 6373. — रचैंयति (प्रतियत्ने, v. l. प्रयत्ने und कृत्याम्) Duâtup. 35, 12. 1) verfertigen, bilden, errichten, bereiten, zurechtmachen, hervorbringen, zu Stande bringen, bewirken: शाकारचित verfertigt aus Vanan. Bru. S. 79,13.14. 17. ३१. मायाविकत्त्पर्रचितैः स्यन्दनैः Ragn. 13,75. रचितवल्पैः Spr. 490. नगरं मापार् चितम् Karuls. 3,78. योगी स्वाश्रमं रचिववा प्रतिवसति स्म Z. d. d. m. G.14,573,19. यावते रचयामि चितामकृम् Катия̀s. 53,157. तत्र तत्र च दृश्यत्ते रचिताः काष्ठराशयः R. 3, 16, 8. मत्त ठ्वाविद्वरे च शयनं रचयातमनः R. Gorr. 2,53,5. Gir. 5,10. सेतवः — भगवद्रचिताः Вилс. Р. 3, 21, 54. 23, 21. पञ्चभूतरचिते शरीरे 31, 14. धवित्रं व्यवनं तस्बह्नचितं मगचर्मणा 🗚. २,७,२३. काचस्फारकयोः खाउँः — रचितं व्याजालंकरणम् Катыль. 24, 184. रचयामास स्वीत्तरीयेषा पाशम् 90, 73. रक्तपुष्पैर्मएडलं र्चियला (v. l. für क़ला) Ver. in LA. (III) 10, 20. स (ट्यञ्जक:) चतुर्विध म्राक्तोर्या रचितो भूषणादिना । वचमा वाचिका उङ्गेनाङ्गिकः सत्तेन सान्ति-कः ॥ н. 283. (मेघः) विद्युत्प्रभारचितपीतपरे।तरीयः Мейки. 76, в. Виль. P. 3,28,32. 30,9. 4,7,39. 12,15. 16,19. 5,1,38. 11,12. 6,16,41. 8,5,44. 9,8,25. 9,47. Nilak. 158. पुष्पाणां प्रकरः स्मितेन रचिता ना कुन्दबात्या-दिभि: Spr. 1168. भूभङ्गे रचिते 2083. PRAE. 12,1. म्रङ्कपालीं रचप 40, 11. मयायं रचितो ऽञ्जलि: R. 2,13,12. 62,7. KATHÂS. 26,287. 27,49. 53, 153. Внас. Р. 4,20,21. 6,3,30. रचितातिस्य Катная. 28,84. 33,87. 44, 27. रचितात्सव २४,१७०. रचितमङ्गल २०,२७.२६,२७१.४३,२३५. रचितस्वागत ७०. रचितानित 18, ३४७. रचयत्व्यां गतागतम् 3, ६६. रचित्रध्यान २४, १४४. रचयन्यस्य सपर्याम् Bulla. P. 3,2,2. 15,47. माध्यं मध्बिन्डना रचयितं ता-रान्त्रुधेरीकृते Spr. 2920. बया रचितपूर्व (v. l. für चरितपूर्व) नीवार्ब-

लिम् dargebracht Çak. 96. रचयति विद्यातम् VARAH. BRU. S. 52, 5. चि-त्ताम्, चिताः sich Sorgen machen PRAB. 90,20. 43,13. रचितार्य = कृतार्य der sein Ziel erreicht hat KATHAS. 67, 112. verfassen: पदानि रचयत्ती Çâk. 63. पञ्च तल्लाएयेतानि रचियता Pankar. 5, 11. Vanah. Br. S. 21, 2. Verz. d. Oxf. H. 129, a, 30. मन्दं मन्दं रचयति पदम् erdenkt einen Vers und zugleich bereitet sich eine Stellung Spr. 1215. रचितं म्या ausgedacht, erfunden Kathas. 49,140. machen zu: रचितश्च राजा। परैव स्-म्रीवकपिः परेण Buarr. 12,37. — 2) anbringen, thun an, in (loc.): शत-धा रचिताः श्रीः शतद्वये रत्तमा गणैः R. 5,72,9. त्वया रचितस्तिलका वक्के 36,34. रचितं लया स्वयमङ्गेषु ममेदं कुसुमन्नसाधनम् Kumaras. 4,18. रच-पति चिकुरे कुरुवककुम्मम् Gtr. ७,२३. म्रङ्गकेष् रचपति चन्दनालेपनानि Sân. D. 71, 2. न वा म्णालसूत्रं रचितं स्तनात्तरे (auf einem Gemälde) Çik. 145. रचिष्ठ्यामि तन् विभावसी Kumiras. 4,34. पाशी ऽत्र तमा मे रच्यताम् befestige KATHAs. 13,98. तता वर्णाः पञ्च (क्रस्वाः) रचिताः angebracht Çaur. (BR.) 40. रचित्रधी dessen Gedanken gerichtet sind auf (loc.) Виас. Р. 4,7,29. 6,16,39. — 3) (चित्र versehen mit (instr. oder im comp. vorangehend): सप्तप्राकार्राचिता (प्री) Harry. 10010. प्रकृतनत्र ः 13896. र त्रच्छायारचितवलिभिः (v. l. für खचित) Месн. 36. क्रम्पंस्यलानि ब्योतिष्रकायाकृत्मरचितानि ६७. (क्रीडाशैलः) रचितशिखरः पेशलैरिन्द्र-नीलैः (रचित = खचित Comm.) 73. ताम्बूलीना द्लैस्तत्र रचितापानभूमयः Rage. 4,42. मार्गेण भङ्गिरचितस्फारिकेन 13,69. स्गन्धिप्डपर्चिते समे देशे Suça. 1, 241, 8. विशेषीयक्। सर्वितपद् Buar. Nățiac. 18, 95. — 4) mit caus. Bed. bewirken, dass Imd Etwas thut, bringen zu; mit dopp. acc.: मनैतिस्मिन्दष्टे व्हृद्यमवधानं रचयित UTTARAR. 97,9 (127,14). — 5) in der Stelle इतस्ततस्तान् (वाजिनः) रचयन्द्रोणश्चरति वेगितः MBn. 7,3096 so v. a. tummelnd, also = चार्यन् (चर्यन् ware eine ungewöhnliche Form), welches nicht zum Metrum passt.

- श्रा caus. 1) bereiten: मध्यर्कमार्चट्य Itin. bei Sål. zu RV. 1,123,1. verfassen Madhus. in Ind. St. 1,16,1 v. u. 2) sich aufsetzen: आर्चितमुपउमाल Dagak. in Bexp. Chr. 183,6. 3) versehen mit: इत्यार्चट्य वपुर्णाशताधिकेन Pankan. 3,1,24. श्रार्चट्य भुवि गोमपाम्भसा स्थापिडलम् 6,2.
- उप caus. bilden, hervorbringen: मनोर्घोपर्चितप्रामाद्वापीतर-क्रीडाकाननकेस्कितातुक्कषुषाम् Spr. 1307. स्व म्रात्मन्युपर्चितस्थिर्ञङ्ग-मालयाय BHÅG. P. 12,12,67.
- वि caus. 1) verfertigen, bilden: नार्व विरुच्चे (zugleich verfassen) रूम्यां तर्णाय गुणेर्युताम् Verz. d. Oxf. H. 100, b, No. 155. errichten (eine Statue) Riéa-Tar. 1, 175 (विर्चट्य mit der ed. Calc. zu lesen). 4, 512. 6, 306. पार्श विर्च्यामास लत्या verfertigte aus Kathis. 80, 42. 93, 31. 104,71. वितिवर्चितश्च्य zurechtgemacht Kumars. 7,94. vollbringen: (नानायागेषु) विर्चिताङ्गक्रियेषु Bhia. P. 5,7,6. दीघी वन्द्नमालिका विर्चिता रूच्येव नेन्द्रविरे: gebildet, hervorgebracht, bewirkt Spr. 1168. ad Çâk. 193 (स्तुविर्चित ट्या lesen). Kir. 5,31. Bhia. P. 1,3,30. 3,15,42. 31,48. 4,1,55. 5,3,6. 20,41. 8,12,10. 9,19,27. verfassen: स्रोका विर्च्यत्रे Kuvalaj. 3,a. Varàh. Bri. S. 56,31. Git. 4,10 (zugleich verrichten). Madbus. in Ind. St. 1,16,2 v. u. Verz. d. Oxf. H. 138, b, No. 273. ट्योर्चित् 200,a,13. ट्याचि Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7,13, Çl. 50. Pańkat. 103,4. LA. (III) 12,13. LA. (I) 67,12. 68,16. erfinden, er-